

### संपादकीय

## लाभकारी निवेश का बेहतर विकल्प

मार्च के आसपास का वक्त कई लोगों के लिए बहुत भागमभाग का होता है। मार्च में वित्तीय वर्ष का अंत हो रहा होता है और कई लोगों को याद आता है कि उन्हें तो कर बचाने के लिए निवेश करना है। 80 सी के तहत 1,50,000 रुपये की कटौती हासिल की जा सकती है। दूसरे शब्दों में 80 सी के तहत निवेश करके एक लाख पचास हजार रुपये की आय कुल कर योग्य आय से कम की जा सकती है। इस तरह से कर के बोझ को कुछ कम किया जा सकता है।

कई लोग इस कर बचत को एक मजबूरी के तहत करते हैं। कई लोग प्रोविडेंट फंड में निवेश बढ़ाते लेते हैं ताकि कर छूट हासिल की जा सके। इस तरह की बचत को मजबूरी की बचत कहा जा सकता है। बचत निवेश में मजबूरी नहीं, मजबूती की जरूरत होती है। थोड़े से नियोजन से मजबूती को मजबूती में बदला जा सकता है। प्रोविडेंट फंड पर लगभग आठ प्रतिशत सालाना का प्रतिफल आता है, बाजार में ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनमें प्रतिफल इस दर से ज्यादा आ सकता है।

मार्च के करीब सारा पैसा एक बार ही किसी निवेश विकल्प में डालने के बजाय निवेशकों को सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी सिप पर भी काम करना चाहिए और हर महीने ही अपनी आय में एक तय रकम ऐसे कर निवेश वाले विकल्प में निवेशित करनी चाहिए। थोड़ी-थोड़ी रकम हर महीने जाती रहेगी तो वित्तीय साल के अंत में एकदम से इटका नहीं लगता जब बहुत सारी रकम का निवेश एक साथ कर बचत में लगानी पड़े।

ऐसा एक महत्वपूर्ण कर बचत विकल्प है-आदित्य बिरला सनलाइफ टैक्स रितीफ- 96। आदित्य बिरला सनलाइफ म्यूचुअल फंड ने कर बचत आधारित इस फंड को 1996 में लांच किया था। इसमें निवेश करके निवेशक 80 सी की कर छूट हासिल कर सकता है। इस तरह के फंड को ईएलएसएस यानी डी टि लिंकड सेविंग स्कीम कहा जाता है। यानी यह ऐसी स्कीम है, जिसमें सेविंग्स या बचत को डी टि यानी शेयरों से जोड़ दिया जाता है। सरल शब्दों में यह फंड निवेशक से रकम लेकर तमाम कंपनियों के शेयरों में लगा देता है। कर छूट हासिल करने के लिए निवेशक को न्यूनतम तीन साल तक इस स्कीम में निवेशित रहना होता है। निवेशक चाहे तो साल में एक बार एकमुश्त कर बचत करने के बजाय हर महीने ही एक तय रकम इस तरह की स्कीम में लगा सकता है। इससे बचत में आसानी हो जाती है।

आदित्य बिरला सनलाइफ टैक्स रितीफ 96 का परफारमेंस का विश्लेषण करते तो साफ होता कि इस फंड ने 28 मार्च, 2019 के आंकड़ों के हिसाब से तीन साल में सालाना 15.36 प्रतिशत का प्रतिफल दिया है। पांच सालों में सालाना 18.35 प्रतिशत का रिटर्न दिया और दस सालों का रिटर्न तो बहुत ही शानदार रहा है-19.50 प्रतिशत सालाना।

# आज से बदल जाएंगे टैक्स और इन्वेस्टमेंट से जुड़े ये नियम

**नई दिल्ली।** आज यानी 1 अप्रैल से नए फाइनेंशियल इयर 2019-20 की शुरुआत होगी। टैक्स और इन्वेस्टमेंट से जुड़े कई नियमों में बदलाव हुए हैं, जिनका ध्यान इस साल आपको रखना होगा।

अब आप दो सेल्फ ऑक्युपाइड घर बिना टैक्स की चिंता किए रख सकते हैं। टैक्स एक्सपर्ट बलवंत जैन बताते हैं कि पहले दो घर होने पर आपको एक घर के लिए इनकम टैक्स भरना ही पड़ता था, फिर चाहे वह खाली ही क्यों न हो। खाली घर को भी किराए पर मान कर आपसे नोशनल टैक्स वसूला

जाता था। अब ऐसा नहीं है। इस साल आप बिना टैक्स की चिंता किए दूसरा घर खरीद सकते हैं। खाली रहने के बावजूद आपको उस पर कोई टैक्स नहीं देना होगा।

### लीजिए कैपिटल गेंस

#### में छूट का फायदा

अब तक नियम था कि कोई एक घर को बेचकर दूसरा घर खरीदता है तो उस पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लागू नहीं होगा, लेकिन दो घर खरीदने पर दूसरा घर टैक्स के दायरे में आ जाता था। मतलब कि दूसरे घर



पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स देना पड़ता था।

#### ...अब यह होगा नियम

अब कोई अपने एक घर को बेचकर उससे मिले पैसे से दो घर भी खरीद ले तो भी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स भरना नहीं पड़ेगा। इस साल आप उस घर को निकाल सकते हैं जिसे

आप कैपिटल गेंस पर टैक्स देने से बचने के लिए बेच नहीं रहे थे। पुराने घर को बेचकर उसे आप बेहतर रिटर्न वाले इलाके में दो नए घर खरीदने में इन्वेस्ट कर दें।

### पेंशन फंड को मजबूत बनाएं

सरकारी कर्मचारियों के पेंशन फंड में दिया जाने वाला योगदान बेसिक सैलरी के 10 फीसदी से बढ़ाकर 14 फीसदी कर दिया गया है। हालांकि न्यूनतम योगदान 10 फीसदी ही रहेगा। अगर आप सरकारी कर्मचारी हैं तो आपका पेंशन फंड अब थोड़ा और

मजबूत रहेगा।

### यह है बदलाव

जो सरकारी कर्मचारी नहीं हैं उनके लिए भी एनपीएस में निवेश करना अब ज्यादा फायदेमंद हो गया है। बलवंत जैन बताते हैं कि एनपीएस में पहले सिर्फ टियर-1 अकाउंट में ही टैक्स बेनिफिट मिलता था, लेकिन अब टियर-2 अकाउंट में भी यह मिलेगा। टियर-1 खाते वे होते हैं जिनमें जो भी योगदान कर्मचारी का होता है, वह 60 साल की उम्र तक जमा होता रहता है। बाद में एच्यूटि खरीदकर वह पैसा निकाला जा

सकता है। वहीं टियर-2 एक टेंपरी सेविंग्स अकाउंट की तरह है। कुछ शर्तों के साथ अब आप चाहे तो उसमें से पैसा निकाल सकते हैं।

### एनपीएस में बेहतर रिटर्न

पेंशन स्कीम में सुधार के लिए गवर्नमेंट सिक्कारिटीज और शॉर्ट टर्म डेट इंस्ट्रुमेंट्स में निवेश की सीमा बढ़ा दी है। गवर्नमेंट सिक्कारिटीज में अब 55 लाख तक निवेश की मंजूरी होगी। इसी तरह शॉर्ट टर्म डेट इंस्ट्रुमेंट्स में निवेश की सीमा भी 10 फीसदी होगी जो पहले 5 फीसदी थी।

## दीपक तलवार की 120 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

### मनी लाँड्रिंग

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लाँड्रिंग के एक मामले में कथित लॉबिस्ट दीपक तलवार और उनके बेटे आदित्य तलवार के खिलाफ शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में चार्जशीट दायर की। प्रवर्तन निदेशालय ने कारपोरेट लॉबिस्ट तथा धन शोधन मामले में गिरफ्तार किये गए दीपक तलवार की 120 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली है। तलवार के दिल्ली के एयरोसिटी में बने होटल हॉलिडे इन को अटैच कर दिया गया है।

चार्जशीट में जांच एजेंसी ने विशेष न्यायाधीश संतोष खेही मान से कहा कि तलवार ने चर्चा में कथित रूप से बिचौलिया की तरह काम करते हुए विदेशी निजी विमानन कंपनियों के पक्ष में माहौल बनाया जिससे राष्ट्रीय विमानन कंपनी एअर इंडिया को नुकसान हुआ था। तलवार को 30 जनवरी को गिरफ्तार किया



गया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। अदालत इस आरोपपत्र पर 15 अप्रैल को विचार करेगी। ईडी के विशेष सरकारी वकील डी. पी. सिंह और नीतेश राणा ने अदालत को बताया कि जांच जारी है और बाद में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया जाएगा। ईडी ने इससे पहले निचली अदालत से कहा था कि नागर विमानन मंत्रालय, नेशनल एविएशन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड और एअर इंडिया के उन अधिकारियों के नाम जानने के लिये तलवार से पूछताछ जरूरी है, जिन्होंने कतर एयरवेज, एमिरेट्स और एयर अरेबिया सहित विदेशी विमानों का पक्ष लिया था।

## हड़ताल की धमकी के बाद जेट एयरवेज ने पायलटों को दिसंबर की सैलरी देने का वादा किया

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** कर्ज के बोझ तले दबे जेट एयरवेज ने शनिवार को अपने पायलटों और मॉर्निंग स्टफ को दिसंबर की बाकी 87.5 फीसदी सैलरी देने का आश्वासन दिया है। कहा गया है कि बैंक से इमर्जेंसी फंडिंग मिलते ही दिसंबर की सैलरी दे दी जाएगी। बता दें कि शुक्रवा को पायलटों ने कहा था कि अगर पिछली बकाया सैलरी का भुगतान नहीं किया जाता है

तो 1 अप्रैल से वे विमान नहीं उड़ाएंगे। इस आश्वासन के बाद नेशनल एविएटर्स गिल्ड यह फैसला लेगा कि 1,000 पायलट हड़ताल पर जाएंगे या नहीं।

जेट के सीईओ विनय दुबे ने कहा, बोर्ड और डायरेक्टर जल्द से जल्द फंड उपलब्ध करवाने के लिए प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश में हैं। यह थोड़ी कठिन प्रक्रिया है और इसमें उम्मीद से ज्यादा समय लग गया इसलिए

तो 1 अप्रैल से वे विमान नहीं उड़ाएंगे। इस आश्वासन के बाद नेशनल एविएटर्स गिल्ड यह फैसला लेगा कि 1,000 पायलट हड़ताल पर जाएंगे या नहीं।

जेट के सीईओ विनय दुबे ने कहा, बोर्ड और डायरेक्टर जल्द से जल्द फंड उपलब्ध करवाने के लिए प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश में हैं। यह थोड़ी कठिन प्रक्रिया है और इसमें उम्मीद से ज्यादा समय लग गया इसलिए



अभी दिसंबर की बकाया सैलरी ही दी जा सकेगी। हम आपकी काम को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं। हम अतिरिक्त फंड का इंतजाम कर रहे हैं और प्रक्रिया पूरी होते

ही बाकी सैलरी भी दी जाएगी। बता दें कि नरेश गोयल जेट एयरवेज के बोर्ड और चेयरमैन पद से इस्तीफा दे चुके हैं। लेकिन कंपनी की राह केवल उनके इस्तीफे से आसान नहीं होने वाली। प्रतिद्वंद्वी विमानन सेवा कंपनियों स्पाइसजेट और इंडिगो प्राइस वॉर को जारी रख सकती हैं। ऐसे में आने वाले समय में जेट में कई और संकट खड़े होंगे।

## इंडिपेंडेंट टीवी ने ट्राई को दिया नयी शुल्क प्रणाली पर अमल करने का आश्वासन

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** डीटीएच सेवा देने वाली कंपनी इंडिपेंडेंट टीवी ने भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) को चैनलों के लिये क्रियान्वयित नयी शुल्क प्रणाली पर अमल करने का आश्वासन दिया है। इंडिपेंडेंट टीवी को पहले बिग टीवी नाम से जाना जाता था। कंपनी की ओर से यह स्पष्टीकरण

ट्राई द्वारा इस संबंध में मांगी गयी जानकारी पर आया है। ट्राई ने कंपनी को नयी शुल्क व्यवस्था के अनुरूप अपने शुल्क को नया या संगत बनाने के लिए कहा था। नियामक ट्राई ने इस संबंध में ग्राहकों की ओर से मिली कई शिकायतों के बाद यह स्पष्टीकरण मांगा था।

## आज का राशिफल

**शेष:-** गणेशजी कहते हैं कि आज आप सामाजिक तथा सार्वजनिक क्षेत्र में लोगों की प्रशंसा प्राप्त कर सकेंगे। लक्ष्मीजी की कृपा रहेगी। कुटुंब और वांछित जीवन में सुख और संतोष का अनुभव करेंगे। वाहन सुख मिलेगा।

**शुभ:-** शारीरिक और मानसिक स्वस्थता के साथ आप अपने कार्य पूरा कर सकेंगे। बीमार व्यक्ति आज स्वास्थ्य में सुधार का अनुभव करेंगे। ननिहाल पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे।

**मिशुभ:-** आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। बार कार्यों की शुरुआत करने के लिए आज अनुकूल दिन नहीं है। जीवनसाथी और संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाद-विवाद के दौरान मानहानि न हो, इसका ध्यान रखें।

**कर्क:-** आप में आज आनंद और स्फूर्ति का अभाव हो सकता है। मन में स्थिरता रहेगी। छत्ती में दर्द या अन्य कोई कारण से तकलीफ हो सकती है। अग्नि और आलस आज आपको परेशान कर सकता है।

**सिंह:-** आज के दिन आप शरीर में ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। दोस्तों के साथ खिलवाट का अनुभव करेंगे। मित्रों एवं स्वजनों के साथ लघु पर्यटन या प्रवास होगा।

**कन्या:-** परिवार में सुख-शांति और परिजनों के साथ आज के दिन को खुशहाल बनाएंगे। आज आपकी मशुरागी का जादू अन्य लोगों को प्रभावित करेगा। प्रवास की संभावना है।

**तुला:-** आज आपकी रचनात्मक शक्ति या प्रकट होगी। सृजनात्मक प्रवृत्तियां करेंगे। वैचारिक दृष्टता से आपके कार्य सफल बनेंगे। मौजशौक के साथ तथा मनोरंजन के पीछे आज पैसे खर्च हो सकता है।

**शुद्धि:-** आज दिन के समय अमोघ-प्रमोद तथा मनोरंजन के पीछे पैसे खर्च करेंगे। मानसिक चिंता और शारीरिक तकलीफों से परेशान हो सकते हैं। वाणी या व्यवहार में झगड़े-झड़त का कारण बन सकता है। परिजनों और संबंधियों के साथ अनबन हो सकती है।

**धनु:-** आज का दिन आपके लिए लाभदायक होगा। गृहस्थजीवन में सुख-शांति रहेगी। प्रिय व्यक्ति के साथ का मिलन वाद्यंगार रहेगा। प्रेम के सुखद क्षण का आनंद ले सकेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे।

**मकर:-** व्यवसाय के क्षेत्र में धन, मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार हेतु भागदौड़ और वस्तु-हेतु प्रवास से लाभ होने की संभावना रहेगी। उच्च पदाधिकारी सुख होने से प्रमोशन के संयोग खड़े होंगे।

**कुंभ:-** आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। आज काम करने का उत्साह कम रहेगा। नौकरी में उच्च पदाधिकारियों से संभलकर रहना पड़ेगा।

**मीन:-** आज गणेशजी आपके धनलाभ का योग देखते हैं। मानसिक तथा शारीरिक श्रम के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। सर्दी, सांस की तकलीफ, खांसी और पेट दर्द जोर पकड़ेंगे। खर्च में वृद्धि होगी।

## वित्तवर्ष 2018-19 में एफपीआई ने की 44,500 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** पिछले दो महीने में भारी लिवाली होने के बाद भी वित्त वर्ष 2018-19 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने घरेलू वित्त बाजार से 44,500 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के फेडरल रिजर्व द्वारा व्याज दर में वृद्धि, रुपये में गिरावट, कच्चा तेल में तेजी, चालू खाता घाटा बढ़ने और राजकोषीय घाटा के साथ ही अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के कारण

विकसशील बाजारों में धारणा प्रभावित हुई। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य वित्त वर्ष के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 1,629 करोड़ रुपये और बांड बाजार से 42,951 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। इस तरह उनकी कुल निकासी 44,580 करोड़ रुपये रही। वित्त वर्ष 2017-18 में एफपीआई ने शेयरों में 25,634 करोड़ रुपये और बांड

बाजार में 1,19,035 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। इस तरह उनका कुल शुद्ध निवेश 1,44,669 करोड़ रुपये रहा था। बाजार कैपिटल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और निवेश विश्लेषण के प्रमुख आलोक अग्रवाल ने कहा, विदेशी निवेश के दो लगातार अच्छे साल के बाद घरेलू बाजार में इसमें विपरीत चलन देखने को मिला है। हमें 2016-17 में 48,411 करोड़ रुपये और 2017-18 में

## विदेशी मुद्रा भंडार नौ महीने के उच्चतम स्तर पर

**मुंबई (आरएनएस)।** देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे सप्ताह तेजी रही और 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में यह 1.03 अरब डॉलर बढ़कर 406.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह विदेशी मुद्रा भंडार का नौ महीने का उच्चतम स्तर है। पिछले साल 22 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 407.82 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आँकड़ों के अनुसार, 22 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 1.03 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और यह 378.81 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इस दौरान स्वर्ण भंडार 23.41 अरब डॉलर पर स्थिर रहा।

## मांग सुस्ती से सोना-चांदी में गिरावट

**इंदौर (आरएनएस)।** सप्ताहांत सोने तथा चांदी में ग्राहकी कमी से हाज़िर भाव में भाव कमी दर्ज की गई। सोना करीब 320 रुपये प्रति 10 ग्राम तथा चांदी के भाव 425 रुपये किलोग्राम की कमी लिए रहे। कारोबार की शुरुआत में सोना 33060 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार को 32740 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में कारोबार की शुरुआत 38900 रुपये पर हुई वहीं अंतिम दिन चांदी में 38475 रुपये प्रति किलो के स्तर पर सौदे हुए।



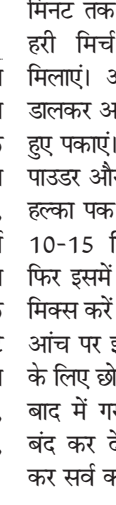
व्यापारियों के अनुसार सप्ताहांत रुपये में घटबढ़ हुई जिससे कभी सोना महंगा हुआ तो कभी चांदी सस्ती। व्यापार में सोना ऊंचे में 33250, नीचे में 32450 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 39100 तथा नीचे में 37850 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का 625 रुपये प्रति नग की मजबूती लिए रहा। विदेशी बाजार में सोना 1290.80 डॉलर तथा चांदी 15.10 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

## घर पर बनाएं आलू चिकन कीमा रसिपी

गरमा-गरम हैदराबादी कीमा आलू को रूमाली रोटी के साथ करें सर्व। मेहमान हों या बच्चों हर कोई अंगुलियां चाटते रह जाएंगे। जानते हैं इसकी रसिपी

**विधि:** कड़ाही में तेल डालकर मीडियम आंच में गरम होने के लिए रख दें। तेल गरम होने के बाद लहसुन-अदरक पेस्ट डालकर 2-3

मिनट तक भूनें। इसके बाद प्याज, हरी मिर्च और हल्दी डालकर मिलाएं। अब इसमें चिकन कीमा डालकर अच्छी तरह से मिक्स करते हुए पकाएं। फिर लाल मिर्च, धनिया पाउडर और नमक डालें। जब कीमा हल्का पक जाए तो टमाटर डालकर 10-15 मिनट तक और पकाएं। फिर इसमें दही और आलू डालकर आंच पर इसे 25-30 मिनट पकने के लिए छोड़ दें। इसे ढककर पकाएं। बाद में गरम मसाला डालकर गैस बंद कर दें। धनियापत्ती से गार्निश कर सर्व करें।



## शब्द सामर्थ्य-21

**बाएं से दाएं**

- दुबूरी पर के बाल, दुबडी, ठोढ़ी
- विशेष और सामान्य (आदमी)
- आम और खास लोग (उ.)
- शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.)
- सविनय, विनती पूर्वक
- बिलाख-बिलख कर रोना
- कहानी, उपन्यास
- कुशल, दक्ष
- दबाव
- शुभ-

**अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत**

- एहसान, भलाई, हित
- सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खी से लगी सलाई
- एक हिन्दी महीना, श्रावण
- सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार
- ऊपर से नीचे
- जंगल में लगी आग, दावागिनी
- मूल्य, दाम
- स्वतंत्र, स्वाधीन
- शुक जैसा पदार्थ

**संकट, कष्ट, दर्द**

- लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ
- वेदग्रजती, अनादार
- शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु
- तवाह करने वाला, विनाशक
- असुर, राक्षस, दैत्य
- गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति
- पर्व, त्यौहार
- शिकायत, उलाहना, ग्लानि
- वृक्ष, पेड़
- मूंहे से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ

**शब्द सामर्थ्य क्रमांक 20 का हल**

ख	म	खं	इं
स	ह	व	र
क	ह्रा	नी	न
त	स्व	ली	इं
क	या	म	त
दी	दां	बा	वू
र	ह	ना	ल
वा	नी	क	र
भा	इं	का	बा
			द
			ल

## सू-दोकू-21

	9		2			1
	5	1		3		
7			9		8	5
	8	3		7		5
2		7				3
	4		1			8
6		2		9		
	5		7		3	
		8		5		6

**नियम**

- कुल 81 वर्ण हैं, जिसमें 9 वर्णों का एक खंड बनता है।
- हर खाली वर्ण में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
- बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, काल और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

**सू-दोकू क्र.20 का हल**

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	8	4	
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5